

## प्रलिमिंस फैक्ट्स: 26 सतिंबर, 2020

- [जमिक्स 20](#)
- [फेम इंडिया स्कीम](#)
- [दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना](#)
- [M87 आकाशगंगा](#)

### जमिक्स 20

### JIMEX 20

26 से 28 सतिंबर, 2020 के मध्य उत्तरी अरब सागर में भारत-जापान के मध्य द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'जमिक्स 20' (JIMEX 20) के चौथे संस्करण का आयोजन कया जा रहा है।



//

### प्रमुख बदि:

- यह नौसैनिक अभ्यास भारतीय नौसेना एवं जापानी समुद्री आत्म-रक्षा बल (Japanese Maritime Self-Defense Force- JMSDF) के बीच द्विवार्षिक रूप से आयोजित कया जाता है।
- अक्टूबर, 2018 में जमिक्स (JIMEX) के तीसरे संस्करण को भारत के वशिखापत्तनम में आयोजित कया गया था।

### भारत-जापान नौसैनिक सहयोग:

- भारत और जापान के बीच नौसेना सहयोग पछिले कुछ वर्षों में तेज़ी से बढ़ा है।
- भारत और जापान के मध्य जनवरी, 2012 में समुद्री सुरक्षा सहयोग पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथ जमिक्स (JIMEX) श्रृंखलाओं की शुरुआत हुई थी।

### 'जमिक्स 20' (JIMEX 20):

- JIMEX 20 समुद्री संचालन के क्षेत्र में उन्नत अभ्यासों के माध्यम से उच्च-संचालन एवं संयुक्त परचालन कौशल का प्रदर्शन करेगा।

- COVID-19 के मद्देनजर तीन दिनों तक चलने वाले JIMEX 20 का आयोजन 'नॉन-कॉन्टैक्ट एट-सी-ओनली फॉर्मेट' (Non-contact at-sea-only Format) के आधार पर आयोजित किया जा रहा है।

## महत्त्व:

- JIMEX 20 दोनों नौसेनाओं के बीच सहयोग एवं आपसी विश्वास को और बढ़ाएगा तथा दोनों देशों के बीच लंबे समय तक आपसी सहयोग को मज़बूत करेगा।

## फेम इंडिया स्कीम

### FAME India Scheme

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दृष्टि में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत सरकार ने 'फेम इंडिया योजना' (FAME India Scheme) के दूसरे चरण के तहत महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात एवं चंडीगढ़ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 670 इलेक्ट्रिक बसों और मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, गुजरात एवं पोर्ट ब्लेयर में 241 चार्जिंग स्टेशनों को मंजूरी दी है।

## प्रमुख बंदि:

- भारत सरकार के इस नरिणय का उद्देश्य जीवाश्म ईधन पर नरिभरता को कम करना एवं वाहनों से प्रदूषक उत्सर्जन की समस्या से नपिटना है।
- भारत सरकार के भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत भारी उद्योग वभिग (Department of Heavy Industries) अप्रैल, 2015 से ही 'फास्टर अडॉप्शन एंड मैनुफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल स्कीम' अर्थात् 'फेम इंडिया योजना' का संचालन कर रहा है ताकि देश में इलेक्ट्रिक/ हाइब्रिड वाहनों के अपनाए जाने को प्रोत्साहित किया जा सके।
- इस योजना के पहले चरण में 31 मार्च, 2019 तक लगभग 2,80,987 हाइब्रिड एवं इलेक्ट्रिक वाहनों को मांग प्रोत्साहन के माध्यम से लगभग 359 करोड़ रुपए की सहायता दी गई थी।
- इसके अलावा भारी उद्योग वभिग (Department of Heavy Industries) ने देश के वभिन्न शहरों में लगभग 280 करोड़ रुपए की लागत वाली 425 इलेक्ट्रिक एवं हाइब्रिड बसों को मंजूरी दी है।
- फेम इंडिया योजना के पहले चरण के तहत भारी उद्योग वभिग ने बंगलुरु, चंडीगढ़, जयपुर एवं दल्लि एनसीआर जैसे शहरों में करीब 43 करोड़ रुपए की लागत से 520 चार्जिंग स्टेशन स्थापति करने को भी मंजूरी दी थी।
- वर्तमान में फेम इंडिया योजना के दूसरे चरण को 3 वर्ष की अवधि के लिये लागू किया जा रहा है। इसे कुल 10,000 करोड़ रुपए के बजटीय आवंटन के साथ 01 अप्रैल, 2019 से प्रभावी किया गया है।
  - इस चरण के तहत सार्वजनिक एवं साझा परविहन के वदियुतीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है। साथ ही लगभग 7000 ई-बसों, 5 लाख ई-तपिहिया वाहनों, 55000 ई-यात्री कारों और 10 लाख ई-दोपहिया वाहनों के लिये सब्सिडी के ज़रिये समर्थन करने का लक्ष्य रखा गया है।
    - इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोगकर्त्ताओं के बीच बुनयिदी ढाँचे को लेकर चर्ता को दूर करने के लिये उसके नरिमाण पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

---

## दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना

### Deen Dayal Upadhyaya Grameen Kaushalya Yojana

25 सितंबर, 2020 को अंत्योदय दविस के अवसर पर भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (Deen Dayal Upadhyaya Grameen Kaushalya Yojana- DDU-GKY) का स्थापना दविस मनाया ।



#### प्रमुख बढि:

- इस योजना के माध्यम से अब तक 10.51 लाख युवाओं को प्रशिक्षित कर 6.65 लाख युवाओं को सफलतापूर्वक रोजगार से जोड़ा गया है ।

#### एग्रीप्रेन्योरशपि प्रोग्राम (Agripreneurship Program):

- इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री ने 'एग्रीप्रेन्योरशपि प्रोग्राम' (Agripreneurship Program) का उद्घाटन किया तथा इस कार्यक्रम के दौरान नमिनलखिति का वमिचन किया ।
  - DDU-GKY के तहत कैप्टवि इम्प्लॉयमेंट (Captive Employment) के दशिया-नरिदेश
  - एकीकृत कृषि क्लस्टर (Integrated Farming Cluster) के प्रोत्साहन के लयि दशिया-नरिदेश

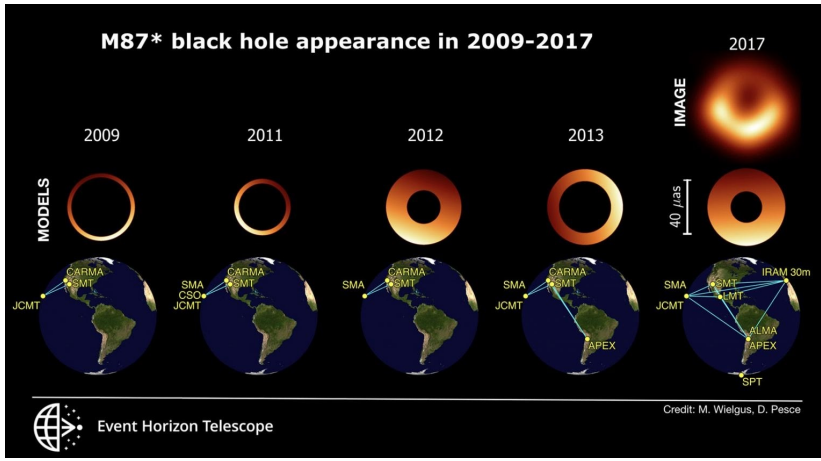
- DDU-GKY के उम्मीदवारों की सफलता की कहानियों का संग्रह
- दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (DDU-GKY) के स्थापना दविस को 'कौशल से कल बदलेंगे' कार्यक्रम के रूप में मनाया गया है।
- दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (DDU-GKY) गरीब ग्रामीण युवाओं को नौकरियों में नियमिति रूप से न्यूनतम मज़दूरी के बराबर या उससे अधिक मासकि मज़दूरी प्रदान करने का लक्ष्य रखती है।
  - यह ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के लयि की गई पहलों में से एक है।

---

## M87 आकाशगंगा

### M87 Galaxy

अप्रैल, 2019 में 'इवेंट होराइज़न टेलीस्कोप' (Event Horizon Telescope- EHT) ने एक **ब्लैक होल** की पहली प्रत्यक्ष छवि जारी की। यह छवि M87 आकाशगंगा (M87 Galaxy) में सुपरमैसिवि ब्लैक होल की एक रेडियो इमेज़ थी।



## प्रमुख बद्धि:

### इवेंट होराइजन टेलीस्कोप

ब्लैक होल की तस्वीर खींचने का प्रयास!

**इवेंट होराइजन टेलीस्कोप परियोजना**

- मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अमेरिका व मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट, जर्मनी की अगुआई में खगोल वैज्ञानिकों द्वारा दुनियाभर में फैले रेडियो टेलीस्कोपों का एक नेटवर्क बनाया गया है।
- इस आभासी टेलीस्कोप की सहायता से वैज्ञानिक हमारी आकाशगंगा 'मिल्की वे' के केन्द्र में स्थित 'सैजिटेरियस A' नामक ब्लैकहोल का पर्यवेक्षण करेंगे।
- इसके साथ ही वैज्ञानिक पृथ्वी से 53 मिलियन प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित 'मेसियर 87' नामक आकाशगंगा के केन्द्र में स्थित ब्लैक होल का भी अध्ययन करेंगे।

**इवेंट होराइजन टेलीस्कोप कैसे कार्य करेगा?**

- खगोल वैज्ञानिकों ने इसके लिये दुनियाभर में फैले आठ रेडियो टेलीस्कोपों का एक नेटवर्क बनाया है।
- इनसे मिले आकड़ों को 'वेरी लॉन्ग बेसलाइन इंटरफेरोमेट्री' (VLBI) तकनीक द्वारा एक साथ समायोजित कर उनका विश्लेषण किया जायेगा।

**क्या है इवेंट होराइजन?**

'इवेंट होराइजन' या 'घटना क्षितिज' दिक-काल या स्पेस-टाइम में एक ऐसी सीमा होती है जिसके पार होने वाली घटनाएँ बाहर के ब्रह्माण्ड पर कोई असर नहीं डालती और न ही इस सीमा के बाहर बैठे किसी दर्शक को यह ज्ञात हो सकता है कि इस क्षितिज के पार क्या हो रहा है? इस सीमा के पार गुरुत्वाकर्षण इतना अधिक हो जाता है कि कोई भी चीज, यहाँ तक कि प्रकाश भी बाहर नहीं निकल पाता। इसे ही 'ब्लैक होल' कहा जाता है। इवेंट होराइजन टेलीस्कोप परियोजना द्वारा खगोल वैज्ञानिक इसी घटना क्षितिज या इवेंट होराइजन की तस्वीर प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं।

- बहुत सी गुरुत्वाकर्षण केंद्रित रेडियो प्रकाश छवियाँ पृथ्वी की ओर केंद्रित थीं कति ब्लैक होल के पास गैस एवं धूल से उत्सर्जित कुछ प्रकाश भी मौजूद था।
- इस घटना को वैज्ञानिकों ने 'इवेंट होराइजन टेलीस्कोप' (Event Horizon Telescope- EHT) के माध्यम से देखा है।
  - अधिकांश ब्लैक होल्स का अवलोकन संबंधी डेटा वर्ष 2017 के बाद से एकत्र किया गया है कति कुछ वेधशालाएँ वर्ष 2009 से अवलोकन कर रही थीं।
    - इसका मतलब है कि हमारे पास एक दशक से अधिक की छवियाँ मौजूद हैं, हालाँकि शुरुआती छवियाँ बहुत अधिक धुंधली हैं।
    - यदि हम ब्लैक होल की एक स्पष्ट छवि को कैच कर सकते हैं तो यह प्रकाश की पतली रिंग के रूप में दिखाई देगा।
      - रिंग जैसी दखिने वाली छविका गठन ब्लैक होल के कनारों पर प्रकाश की मौजूदगी के कारण होता है जो सीधे पृथ्वी की ओर केंद्रित होती है।
      - ब्लैक होल के घूमने के कारण रिंग का एक कनारा हमेशा दूसरे की तुलना में चमकदार होता है।
  - एक दशक के डेटा का अवलोकन करने पर पता चलता है कि समय के साथ रिंग का आकार भी बदलता रहता है।

- वर्ष 2021 में दो और रेडियो वेधशालाएँ 'इवेंट होराइज़न टेलीस्कोप' में शामिल हो जाएंगी जो हमें ब्लैक होल के बारे में अधिक स्पष्ट जानकारी देंगी।

## ब्लैक होल:

- ब्लैक होल शब्द का इस्तेमाल सबसे पहले अमेरिकी भौतिकविद् **जॉन व्हीलर** ने 1960 के दशक के मध्य में किया था।
- ब्लैक होल्स अंतरिक्ष में उपस्थिति ऐसे छदिर हैं जहाँ गुरुत्व बल इतना अधिक होता है कि यहाँ से प्रकाश का पारगमन नहीं होता। चूँकि इनसे प्रकाश बाहर नहीं निकल सकता, अतः हमें ब्लैक होल दिखाई नहीं देते, वे अदृश्य होते हैं।

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-26-september-2020>